परिशिष्ट –"A"

पाठ्यक्रम संरचना

कक्षा – 12वीं

विषय – व्यवसाय अध्ययन (302)

सैद्धांतिक–80

पूर्णांक – 100 प्रायोजना–20

स0क्र0	इकाई एवं विषयवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
भाग–I	प्रबंध के सिद्धांत एवं कार्य		
1.	अध्याय –1 प्रबंध की प्रकृति एवं महत्व	08	20
2.	अध्याय –2 प्रबंध के सिद्धांत	08	25
3.	अध्याय –3 व्यावसायिक पर्यावरण	05	10
4.	अध्याय –4 नियोजन	06	15
5.	अध्याय –5 संगठन	07	15
6.	अध्याय –6 नियुक्तिकरण	07	15
7.	अध्याय –7 निर्देशन	08	25
8.	अध्याय –8 नियंत्रण	06	15
भाग–II	व्यवसाय, वित्त एवं विपणन		
	अध्याय –9 व्यावसायिक वित्त	09	20
	अध्याय –10 विपणन	08	20
	अध्याय –11 उपभोक्ता संरक्षण	08	20
	योग	80	200
	प्रायोजना कार्य	20	20
	महायोग	100	220

प्रश्नपत्र योजना

कक्षा – 12वीं

विषय – व्यवसाय अध्ययन (302)

कुल अंक – 80 समय : 3:00 घण्टे

“A”- प्रश्नानुसार अंक विभाजन

स. क्र	प्रश्नोंकाप्रकार	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA)	लघु उत्तरीय (SA-I)	लघु उत्तरीय (SA-II)	दीर्घ उत्तरीय (LA)	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA)	कुल अंक	% अधिभार
		1 अंक	2 अंक	3 अंक	4अंक	6 अंक	80	
1.	ज्ञानात्मक (Knowledge) परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित सामान्य स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	05	02	01	01	-	16	20%
2.	अवबोधात्मक (Understanding) अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	02	01	-	01	02	20	25%
3.	अनुप्रयोगात्मक (Application) उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझाना/सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	02	01	02	01	01	20	25%
4.	विश्लेषणात्मक(Analysis) वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतों पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/ एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर	01	-	01	01	-	08	10%
5.	मूल्यांकन (Evaluation) मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/तर्क आधारित	-	01	-	-	01	08	10%
6.	रचनात्मक (Creation/Creativity) सृजन करना/पूर्वानुमान/योजना बनाना/परिकल्पना/संगठित करना	—	—	-	02	_	08	10%
	योग	1(10)=10	2(5)=10	3(4)=12	4(6)=24	6(4)=24	80	100%

“B” प्रश्नानुसार विभाजन

स.क्र.	प्रश्नों के प्रकार	आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ (MCQ/VSA)	01	1(10)	10
2.	लघुउत्तरीय (SA-I)	02	05	10
2.	लघुउत्तरीय (SA-II)	03	04	12
3.	दीर्घ उत्तरीय (LA)	04	06	24
4.	अति दीर्घउत्तरीय (VLA)	06	04	24
		कुल योग	19+1(10)=20	80

“C” कठिनाई स्तर अनुसार विभाजन

स.क्र.	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	24	30%
2.	औसत (AV)	40	50%
3.	कठिन (D)	16	20%
	कुल योग	80	100%

ब्लूप्रिंट

कक्षा–12वीं

विषय–व्यवसाय अध्ययन (302)

कुल अंक – 80 समय : 3:00 घण्टे

स. क्र.	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	अंको का अधिभार	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA)	लघु उत्तरीय (SA-I)	लघु उत्तरीय (SA-II)	लघु उत्तरीय (LA-I)	दीर्घ उत्तरीय (LA-II)	कुल अंक	कुल प्रश्नों की संख्या
			1 अंक	2 अंक	3 अंक	4अंक	6 अंक	80	
भाग–I प्रबंध के सिद्धांत एवं कार्य									
1.	अध्याय –1 प्रबंध की प्रकृति एवं महत्व	**08**	01	-	01	01*	-	08	**2(1)**
2.	अध्याय –2 प्रबंध के सिद्धांत	**08**	02	-	-	-	01*	08	**1(2)**
3.	अध्याय–3 व्यावसायिक पर्यावरण	**05**	-	01	01	-	-	05	**2(0)**
4.	अध्याय –4 नियोजन	**06**	-	01	-	01*	-	06	**2(0)**
5.	अध्याय –5 संगठन	**07**	01	01	-	01*	-	07	**2(1)**
6.	अध्याय –6 नियुक्तिकरण	**07**	01	-	-	-	01*	07	**1(1)**
7.	अध्याय –7 निर्देशन	**08**	01	-	01	01*	-	08	**2(1)**
8.	अध्याय –8 नियंत्रण	**06**	02	-	-	01*	-	06	**1(2)**
भाग–II व्यवसाय, वित्त एवं विपणन									
9.	अध्याय–9 व्यावसायिक वित्त	**09**	01	01	__	__	01*	09	**2(1)**
10.	अध्याय –10 विपणन	**08**	01	__	01	01*	__	08	**2(1)**
11.	अध्याय–11 उपभोक्ता संरक्षण	**08**	__	01	__	__	01*	08	**2(0)**
	योग	**80**	**1(10)=10**	**2(5)=10**	**3(4)=12**	**4(6)=24**	**6(4)=24**	**80**	**19+1(10) =20**

नोट :–(i) प्रश्न क्र0–01 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। जिसमें दो खण्ड होगें। खण्ड "अ"–05 प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) तथा खण्ड "ब"–05 प्रश्न अतिलघुउत्तरीय (VSA) होगें।

(ii) * तारांकित प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये जायेंगे।

(iii) कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको को दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या को दर्शाती है।

परिशिष्ट –**"C-01"**

प्रश्नपत्र संरचना

कक्षा – 12वीं

विषय – व्यवसाय अध्ययन (302)

कुल अंक – 80 | **समय – 03:00 घण्टे**

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–
   (i) **"खण्ड–अ" 05 प्रश्न** बहुविकल्पीय (**MCQ**) प्रश्न होगें। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

   (ii) **खण्ड–"ब" 05 प्रश्न अतिलघुउत्तरीय** (**VSA**) प्रश्न होंगे। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र. 06 तक लघुउत्तरीय (**SA-I**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **02** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा **30 शब्द**

3. प्रश्न क्र0– 07 से प्रश्न क्र0 10 तक लघुउत्तरीय (**SA-II**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **03** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा **50 शब्द**

4. प्रश्न क्र0 11 से प्रश्न क्र0 16 तक दीर्घउत्तरीय (**LA**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **04** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा **75–100 शब्द**

5. प्रश्न क्र0 17 से प्रश्न क्र0 20 तक अति दीर्घउत्तरीय (**VLA**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **06** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा **150–200**

पाठ्यक्रम

कक्षा – XII

विषय – व्यवसाय अध्ययन (302)

सैद्धांतिक अंक–80 **समय–3:00 घंटे**

भाग–1 – प्रबंध के सिद्धांत एवं कार्य

अध्याय : 1 – प्रबंध की प्रकृति एवं महत्व **08 अंक** **20 कालखण्ड**

प्रबंध की अवधारणा, विशेषताएँ उद्देश्य, महत्व, प्रकृति, प्रबंध एक कला, प्रबंध एक विज्ञान के रूप में, प्रबंध एक पेशे के रूप में, प्रबंध के स्तर, प्रबंध के कार्य, समन्वय प्रबंध का सार है, समन्वय की प्रकृति, समन्वय का महत्व, इक्कीसवीं शताब्दी में प्रबंध।

अध्याय : 2 – प्रबंध के सिद्धांत **08 अंक** **25 कालखण्ड**

प्रबंध के सिद्धांत–एक अवधारणा, प्रबंध के सिद्धांतों की प्रकृति, महत्व, टेलर का वैज्ञानिक प्रबंध, वैज्ञानिक प्रबंध के सिद्धांत, कार्यात्मक फोरमैनशिप, कार्य का प्रमापीकारण एवं सरलीकरण, कार्य पद्धति अध्ययन, गति अध्ययन, समय अध्ययन, थकान अध्ययन, विभेदात्मक पारिश्रमिक प्रणाली, फेयोल के प्रबंध के सिद्धांत, फेयोल बनाम टेलर तुलना।

अध्याय : 3 –व्यावसायिक पर्यावरण **05 अंक** **10 कालखण्ड**

व्यासायिक पर्यावरण का अर्थ एवं महत्व, पर्यावरण के आयाम, भारत में आर्थिक पर्यावरण, विमुद्रीकरण की अवधारणा और उसके प्रभाव।

अध्याय : 4 –नियोजन **06 अंक** **15 कालखण्ड**

नियोजन– अर्थ, महत्व, विशेषताएँ, सीमाएँ, नियोजन प्रक्रिया, नियोजन के प्रकार, उद्देश्य, व्यूहरचना, नीति, प्रक्रिया, विधि, नियम, कार्यक्रम, बजट।

अध्याय : 5 –संगठन **07 अंक** **15 कालखण्ड**

संगठन का अर्थ, संगठन की अवधारणा, संगठन प्रक्रिया में कदम, संगठन का महत्व, संगठन ढ़ाँचा, संगठन ढ़ाँचों के प्रकार, औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन, अंतरण, अंतरण का महत्व, विकेद्रीकरण, केन्द्रीयकरण, महत्व।

अध्याय : 6 – नियुक्तिकरण **07 अंक** **15 कालखण्ड**

नियुक्तिकरण का अर्थ, नियुक्तिकरण की आवश्यकता तथा महत्व मानव संसाधन प्रबंधन का क्रम विकास, नियुक्तिकरण प्रक्रिया, नियुक्तिकरण के विभिन्न पहलू, भर्ती, भर्ती के आंतरिक स्रोत एवं बाह्य स्रोत, प्रशिक्षण तथा विकास, चयन प्रशिक्षण, विधियाँ।

अध्याय : 7 –निर्देशन 08 अंक 25 कालखण्ड

निर्देशन, अर्थ, विशेषता, महत्व, अभिप्रेरणा–अर्थ, महत्व सिद्धांत एवं तत्व, पर्यवेक्षण अर्थ एवं परिभाषाएँ, विशेषताएँ, प्रक्रिया एवं महत्व, मैस्लों की आवश्यकता क्रम, अभिप्रेरणा का सिद्धांत, वित्तीय तथा गैर वित्तीय प्रोत्साहन, नेतृत्व–अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्व, नेतृत्व शैली संप्रेषण, अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, संप्रेषण प्रक्रिया के तत्व एवं महत्व, औपचारिक तथा अनौपचारिक संप्रेषण, अंगूरी लता तंत्र, प्रभावी संप्रेषण मे बाधाएँ, प्रभावी संप्रेषण के लिए सुधार।

अध्याय : 8 –नियंत्रण 06 अंक 15 कालखण्ड

नियंत्रण का अर्थ, नियंत्रण का महत्व, नियंत्रण की सीमाएँ, नियोजन एवं नियंत्रण में संबंध, नियंत्रण प्रक्रिया।

भाग–2 – व्यावसाय, वित्त एवं विपणन

अध्याय : 9 – व्यावसायिक वित्त 09 अंक 20 कालखण्ड

व्यावसायिक वित्त का अर्थ, वित्तीय प्रबंध की अवधारण एवं उद्देश्य, वित्तीय निर्णय, पूँजी बजटिंग निर्णयों को प्रभावित करने वाले कारक, वित्तीय संबंधी निर्णय, वित्तीय निर्णय को प्रभावित करने वाले कारक, लाभांश से संबंधित निर्णय, लाभांश निर्णय को प्रभावित करने वाले कारक, वित्तीय नियोजन, महत्व, पूंजी संरचना और उसको प्रभावित करने वाले कारक, स्थाई, पूंजी एवं कार्यशील पूंजी और उसको प्रभावित करने वाले कारक।

अध्याय : 10 – विपणन 08 अंक 20 कालखण्ड

बाजार का अर्थ, विपणन का अर्थ, विपणन प्रबंध, विपणन प्रबंध दर्शन, विपणन के कार्य, विपणन मिश्र, उत्पाद एवं उत्पादों का वर्गीकरण, उपभोक्ता वस्तुएँ, औद्योगिक उत्पादन, ब्रांडिंग पैकेजिंग, लेबलिंग, मूल्य निर्धारण, भौतिक वितरण, प्रवर्तन, प्रवर्तन मिश्र, विज्ञापन, व्यक्तित्व विक्रय की अवधारणा, एवं भूमिका, विक्रय संवर्धन, जनसंपर्क।

अध्याय : 11 – उपभोक्ता संरक्षण 08 अंक 20 कालखण्ड

प्रस्तावना, उपभोक्ता संरक्षण का महत्व, उपभोक्ता एवं व्यवसाय के दृष्टिकोण से, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019, उपभोक्ता संरक्षण के अंतर्गत निवारण, अधिकरण अथवा ऐजेंसियाँ, उपभोक्ता संगठनों और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका, उपभोक्ता के अधिकार और दायित्व, उपभोक्ता संरक्षण के तरीके और साधन।

योग	80	200
प्रायोजना कार्य	20	20
महायोग	100	220

प्रायोजना कार्य

कक्षा – 12वीं

विषय – व्यवसाय अध्ययन (302)

अंक–20 | समय : 2:00 घण्टा

मूल्यांकन योजना

सं.क्र.	विषयवस्तु	अंक भार
1.	प्रस्ताव, सहयोगिता एवं सहभागिता **Initiative, Cooperativeness and Participation**	2 अंक
2.	प्रस्तुतीकरण में सृजनात्मकता **Creativity in Presentation**	2 अंक
3.	विषयवस्तु अवलोकन एवं अनुसंधान कार्य **Content, Observation and Research Work**	4 अंक
4.	परिस्थितियों का विश्लेषण **Analysis of situation**	4 अंक
5.	प्रायोजना रिकार्ड **Project record**	4 अंक
6.	मौखिक **Viva**	4 अंक
	कुल अंक **(Total)**	**20 अंक**

नोट :– प्रायोजना कार्य पूर्ववत् यथावत् रहेगा।

कक्षा–12वीं
व्यवसायिक अध्ययन
प्रायोजना कार्य

2 प्रोजेक्ट– 20 अंक

शिक्षकों के लिए निर्देश:–

विधार्थी द्वारा चार इकाई में से कोई दो इकाई का चयन अपने प्रोजेक्ट हेतु करना है तथा **प्रत्येक इकाई** से कोई एक प्रोजेक्ट का चयन कर सकता है।

1. पूरे सत्रगत् हेतु कोई दो विषय का चयन में विधार्थी की सहायता की जानी जाहिए।

2. (i) विधार्थियों से विचार विमर्श उपरांत ही उन्हे रूचि अनुसार प्रोजेक्ट का विषय आबंटित किया जाना चाहिए तथा प्रोजेक्ट समाप्ति के प्रत्येक पद में उन्हें आवश्यक सुविधा, सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाना चाहिए।

   (ii) संपूर्ण सत्र में 30 कालखंड दो प्रोजेक्ट कार्य हेतु निर्धारित किए जाने चाहिए।

3. विद्यार्थी द्वारा कक्षा में प्रोजेक्ट का प्रस्तुतीकरण अवश्य कराया जाना चाहिए।

4. शिक्षक द्वारा यह अवश्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रोजेक्ट कार्य से विद्यार्थी में आत्मविश्वास एवं सृजनात्मकता में वृद्धि हुई एवं शिक्षक व विद्यार्थी दोनों ने प्रोजेक्ट निर्माण की प्रक्रिया सहर्ष पूर्ण की तथा प्रोजेक्ट कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं किया गया।

5. शिक्षक को यह संतुष्टि गर्व होना चाहिए कि उसने विद्यार्थी की बहुमुखी प्रतिमा को उभारने का प्रयास किया तथा विद्यार्थी द्वारा पूरी निष्ठा से कार्य किया गया।

6. शिक्षक को अवश्य यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विद्यार्थी ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि में कम से कम एक प्रोजेक्ट अवश्य करें।

प्रोजेक्ट 1 – व्यवसायिक पर्यावरण के तत्व

शिक्षक निम्न में से कोई एक तत्व चयन में विद्यार्थी की सहायता करें।

1) निसंदेह कुछ वर्षों में पेंकिग के तरीकों में परिवर्तन तथा उसने अर्थव्यवस्था को अधिक प्रभाव किया है। शिक्षक विद्यार्थी को निम्न परिवर्तन के संबंध में निर्देशित करें :–

   a. फलों/सब्जियों के परिवहन में परिवर्तन – लकड़ी के बक्सों (Wooden Boxes) की जगह कार्डबोर्ड के बाक्से का उपयोग etc. उक्त परिवर्तन के कारण लिखिए।
   b. दूधआपूर्ति में परिवर्तन –पहले काँच की शीशियों में फिर Plastic bagsमें और वर्तमान में टेट्रा पैक तथा पैंकिग मशीन द्वारा प्लास्टिक बेग तथा कपड़ों के बैग के स्थान पर पेपर बैग द्वारा पुनः चक्रण – ब्राउन पेपर पैकिंग।
   c. लकड़ी के फर्नीचर के स्थान पर प्लास्टिक फर्नीचर (दरवाजे तथा स्टूल) का चलन।
   d. कार्डबोर्ड की उत्पत्ति तथा परिवर्तन की विभिन्न अवस्थाएं तथा वृद्धि।

e. पेपर बेग को प्लॉस्टिक बेग में तथा कपड़ों के बेग का ब्राउन पेपर बेग में पुनः चक्रण।
f. उपभोक्ता को अपने उत्पादों के लिए आकर्षित करने हेतु पैंकिजिंग (बॉटल, जार एवं टिन) का पुनः उपयोग।
g. दूध के लिए पिरामिड पैंकेजिंग की अवधारणा।
h. पैकेजिंग का विज्ञापनों के संसाधनों के रूप में उपयोग।
i. उपभोक्ता/निर्माता द्वारा मूल्य का निर्धारण।

2) परिवर्तनों के पीछे के निम्न कारण :–

70 के दशक में कोका कोला फेण्टा से, अस्सी के दशक में थम्स अप व केम्पा कोला एवं नब्बे में पेप्सी तथा कोक।

शिक्षक विद्यार्थियों को उस समय से अवगत करा सकते है जब विदेशी कंपनियों द्वारा भारत में कोका कोला एवं फेण्टा का उत्पादन किया जाता था बेचा जाता था।

विद्यार्थी इनके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते है :–

(a) उपरोक्त ड्रिकं के उत्पादन भारतमें बंद किये जाने का कारण तब।

(b) थम्स अप तथा कैम्पा कोला का परिचय ।

(c) भारतीय बाजार में कोक का पुनः प्रवेश तथा पेप्सी का परिचय।

(d) परिवर्तन हेतु जिम्मेदार कारक।

(e) उपरोक्त के साथ संबंधित अन्य।

(f) प्रचलित ब्रांड तथा उच्चतम मार्केट शेयर वाली कंपनियां।

(g) भारतीय बाजार के लिए संकट भिन्न–भिन्न लोकल ब्रांड ।

(h) उपरोक्त ब्रांड में बाजार का मूल्य।

(i) अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड के साथ प्रतिस्पर्धा में फेल होने का कारण तथा उत्तरजीविता।
(j) विद्यार्थी द्वारा अवलोकन किया गया अन्य कोई कारण।

शिक्षक उपरोक्त बिंदु पर निम्न विकसित कर सकते है

3) विगत 25 वर्षों में संयुक्त परिवार, एकल परिवार परिवर्तन संबंधी अध्ययन एवं आवश्यकता आधारित उत्पाद वॉशिंग मशीन, मिक्सी, माइक्रोवेव तथा जीवन स्तर परिवर्तन में भूमिका।
4) विभिन्न उत्पादों के आयात एवं निर्यात के स्वरूप में परिवर्तन ।
5) ब्याज दरों में परिवर्तन की प्रकृति तथा बचत पर उसका प्रभाव।
6) बाल श्रम कानून पर अध्ययन इसका परिपालन तथा परिणाम।
7) राज्य के एण्टी प्लास्टिक केम्पेन नियम, इसके प्रभाव तथा परिणाम।

8) उद्योग स्थापित करने/खनन के नियम, व्यापार चलाने के लिए आवश्यक लाइसेंस नियम एवं शर्ते।

9) किसी चिन्हित उत्पाद को स्वीकारने अथवा नकारने में सामाजिक कारकों का प्रभाव (डिश वाशर, आटा मेकर आदि)।

10) उत्पाद, समाज सेवा व प्रकार पर पर्यावरण परिवर्तन का क्या प्रभाव होता है ? विद्यार्थी निम्न प्रकार से उदाहरण ले सकते है।

a. वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव एवं मिक्सर ग्राइंडर।
b. क्रेच की आवश्यकता, वृद्धों व बच्चों के लिए day care Centre (आंगनबाड़ी केन्द्र एवं वृद्धाश्रम)।
c. तैयार खाद्य पदार्थ, बाहरी खाना तथा टिफिन सेंटर्स ।

11. तकनीकी उन्नति विकास के साथ मानव मशीन अनुपात में परिवर्तन से मूल्य संरचना परिवर्तन ।

12. कर्मचारियों के व्यवहार पर तकनीकी पर्यावरण में परिवर्तन का प्रभाव।

प्रोजेक्ट 2 – प्रबंधन के सिद्धांत

विद्यार्थी निम्न में से किसी एक का भ्रमण कर सकते है :–

1. कोई डिपार्टमेंटल स्टोर्स ।
2. कोई औद्योगिक इकाई।
3. फास्ट फुड स्टोर्स ।
4. शिक्षक द्वारा अनुमति प्रदत्त अन्य कोई संगठन।
5. अन्य कोई शैक्षणिक प्रदर्शनी/आनंद मेला/हस्तशिल्प उद्योग मेला।

फेयाल सिद्धांतानुसार विद्यार्थी को प्रबंधन के सामान्य सिद्धांतों के अनुप्रयोग का अवलोकन आवश्यक है।

फेयाल के सिद्धांत :–

1. कार्य का विभाजन।
2. आदेश की एकता।
3. दिशा की एकता।
4. आदिश श्रृंखला।
5. Espirit de corps.
6. Fail Remuneration to all. (सभी के लिए)
7. आदेश।
8. समानता।

9. अनुशासन।

10. स्वरूचि से सामान्य रूचि की अधीनता।

11. प्रारंभन।

12. केन्द्रीकरण व विकेन्द्रीकरण।

13. Tenure (कार्यकाल) का स्थायित्व।

अथवा

विद्यार्थी अपने किसी इकाई के भ्रमण में वैज्ञानिक तकनीक प्रबंधन के अनुप्रयोग पर भी पूछताछ कर सकते है। [by F.W. Taylor]

<u>वैज्ञानिक प्रबंधन तकनीक</u>

1. क्रियाशील कार्यवाहक फोरमेनशिप [Functional Foremanship] ।
2. कार्य का मानकीकरण तथा सरलीकरण।
3. विधि अध्ययन।
4. गति अध्ययन।
5. समय अध्ययन।
6. तनाव/थकान अध्ययन।
7. विभेदक अमानी दर योजना।

शिक्षक के लिए निर्देश :–

1. शिक्षक भ्रमण आयोजित कर सकते है।
2. शिक्षक को विद्यार्थी की रूचि अनुसार किसी इकाई को चिन्हित करने में सुविधा प्रदाता तथा सिद्धांतों के पालन हेतु उन्हे पहचान करने हेतु निर्देशित करना चाहिए।
3. संगठन द्वारा उपयोग में लाई गई वैज्ञानिक प्रबंधन की तकनीकों की पहचान हेतु विद्यार्थी को मार्गदर्शन करना।
4. इसे समूह कार्य में भी कराया जा सकता है।
5. अवलोकन निम्न बिंदुओं पर किया जा सकता है :–
    - कार्य विभाजन की विभिन्न अवस्थाओं में विशिष्ट परिणाम हेतु ।
    - उच्च अधिकारियों के निर्देश पालन सहयोगियों की सुनिश्चितता/विश्वसनीयता।
    - आदेश की पारदर्शिता एवं इकाई में समानता।
    - आथिरिटी का संतुलन तथा जवाबदेही।
    - संगठन में संचार का स्तर एवं पेटर्न।
    - सभी से बेहतर समन्वय एवं समरूपता हेतु संगठन द्वारा अपनाई गई पद्धति एवं तकनीकी।
    - पारिश्रमिक भुगतान का तरीका एवं थकान/तनाव अध्ययन का प्रबंधन।
    - समय प्रबंधन विवेचना

- अध्ययन विधि की विवेचना एवं लाभ।
- क्रियाशील कार्यवाहक (foremanship) का संगठनात्मक चार्ट।
- संगठन में अन्य कोई चिन्हाकंन।

1. विद्यार्थियों को भ्रमण हेतु अलग–अलग क्षेत्रों का चुनाव करने हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए। भिन्न–भिन्न क्षेत्रों का प्रस्तुतीकरण कक्षा के अन्य विद्यार्थियों में बेहतर समझ विकसित करने में सहायक होगी।
2. विद्यार्थियों को वर्कशीट बनाने में प्रोत्साहित करना चाहिए। शिक्षकों को प्रोजेक्ट के अंतरण हेतु उपयोग की जाने वाली अवलोकन तकनीक तैयार करने में विद्यार्थी की सहायता करनी चाहिए।

उदाहरण:– वर्कशीट, प्रश्नावली, साक्षात्कार एवं संगठनात्मक चार्ट इत्यादि।

प्रोजेक्ट 3– स्टॉक एक्सचेंज

इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य शाला (शालेय्) के विधार्थियों को निवेश की महत्ता तथा स्टॉक मार्केट की उपयोगिता सिखाना है। यह प्रोजेक्ट अर्थव्यवस्था, गणित तथा वित्तिय जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों को भी सिखाता है।

यह प्रोजेक्ट विधार्थियों को योग्य बनाता है :–

(1) विषय जैसे वित्तिय व्यापार के स्त्रोत तथा पूंजीगत बाजार को समझने में।
(2) स्टॉक एक्सचेंज में उपयोग की अवधारणा समझने में।
(3) व्यापार चैनल देखने की आदत, बिजनेस जनरल/सामाचारपत्र पढ़ने तथा बड़ों से सूचना प्राप्त करने की प्रकृति विकसित करने में।

विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि :–

(a) भारत की स्टॉक एक्सचेंज के इतिहास पर संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार करें ।
(b) स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कम से कम 25 कंपनी की लिस्ट तैयार करें।

विद्यार्थी प्रतिदिन के स्टॉक के मूल्य की रिपोर्ट तैयार करें तथा इसे ग्राफ पेपर मेंरेखीय चित्रण कर प्रस्तुत करें।

- वे साप्ताहिक छुट्टियों तथा नेगोशिएबल इंस्टूमेंटस् एक्ट के तहत छुट्टियों को समझ सकेंगे। वे opening balance तथा closing balanceजैसे शब्दावली से भी परिचय प्राप्त करेंगे।
- रिकार्ड तैयार करते समय प्रतिदिन के तथा दूसरे दिनों के साप्ताहिक नेगोशिएबल इस्टूमेंट एक्ट के तहत प्रांरभिक एवं अंतिम मूल्य के स्पष्ट रिकार्ड लगाए जिससे वे closing & opening मूल्यों को पहचान सकेंगे।
- विद्यार्थी मूल्यों में परिवर्तन के कारणों की पहचान द्वारा निष्कर्ष प्राप्त कर सकते है। ये सामान्यत: बिजनेस जनरल के सम्मुख पृष्ठ/प्रथम पृष्ट से संबंधित होता है जैसे :–
  - मौसम परिवर्तन
  - त्यौहार

- संक्रामक रोग का फैलना (Spread of epidemic) ।
- हड़ताल तथा दुर्घटनाएँ
- राजनैतिक वातावरण
- सरकार की नीतियों में विश्वास की कमी
- किसी विशिष्ट उद्योग के लिए सरकारी नीति में परिवर्तन का प्रभाव
- अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
- अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर अनुबंध एवं समझौते
- पड़ोसी देशों के साथ संबंध
- विकसित देशों में आपदाएं

विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे उनके निवेश के मूल्यों को खोजे तथा उसके अनुसार उनके पोर्टफोलियों को पुनः व्यवस्थित करें। प्रोजेक्ट कार्य में निम्न उद्देश्यों का समावेश होना चाहिए।

1. अलग–अलग तिथियों पर विभिन्न कंपनियों के शेयर मूल्यों का रेखीय प्रस्तुतीकरण।

2 जलवायु परिवर्तन, त्यौहार, प्राकृतिक एवं मानव आपदाओं के कारण शेयर बाजार की कीमतों में परिवर्तन।

3. विकसित देशों में संकट, भिन्न देशों की नीतियों, राजनीतिक वातावरण या अन्य कारणों से शेयर के बाजार कीमतों में परिवर्तन।

4. चयनित 25 कंपनियों में उनके शेयर के बाजार कीमतों के आधार पर किन्हीं 10 कंपनियों की पहचान। (लाभ या हानि आधार नहीं)।

प्रोजेक्ट 4 – विपणन (Marketing)

विद्यार्थी अपने रूचि/परिवेश में उपलब्ध अनुसार किसी भी उत्पाद/वस्तु का चयन Marketing product हेतु कर सकता है या अन्य कोई Marketing productशिक्षक के सुझाव से करता है।

1.	Toothpaste	2.	Noodles
3.	Shampoo	4.	Bathing soap
5.	Washing detergent	6.	Washing powder
7.	Lipstick	8.	Moisturizer
9.	Shoe polish	10.	Pen
11.	Shoes	12.	Hair dye
13.	Mobile	14.	Chocolate
15.	Sauces/ketchup	16.	Ready soups
17.	Body Spray	18.	Fairness cream
19.	Hair oil	20.	Roasted Snacks
21.	Jeans	22.	Pickles
23.	Squashes	24.	Jams
25.	Salt	26.	Bread
27.	Butter	28.	Shaving cream
29.	Razor	30.	Cheese spreads

31.	e- Wash	32.	Tiffin wallah
33.	Air Conditioners	34.	Infant dress
35.	Sunglasses	36.	Fans
37.	Fruit candy	38.	Wipes
39.	Bathroom cleaner	40.	Blanket
41.	Shoe polish	42.	Hair dye
43.	Baby Diapers	44.	Refrigerator
45.	Adhesives	46.	Ready soups
47.	Ladies footwear	48.	Fairness cream
49.	RO system	50.	Roasted Snacks
51.	Mixers	52.	Pickles
53.	Learning Toys	54.	Music player
55.	Squashes	56.	Eraser
57	Microwave oven	58.	Wallet
59.	Pencil	60.	Crayons
61.	Water bottle	62.	Jewellery
63.	Furniture	64.	Water storage tank
65.	Newspaper	66.	Ladies bag
67.	Nail polish	68.	Sarees
69.	Pen drive	70.	Cycle
71.	DTH	72	Bike
73.	Car	74.	Crockery
75.	Kurti	76.	Camera
77.	Cosmetology product	78.	Inverter
79.	Cutlery	80.	Washing machine
81.	Breakfast cereal	82.	Tea
83.	Suitcase/airbag	84.	Coffee

शिक्षक को यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विद्यार्थी ऐसे चिन्हित उत्पादों को न ले जो सरकार तथा समाज द्वारा प्रतिबंधित हो जैसे– तम्बाकू, धूमपान/पान मसाला/एल्कोहल आदि। प्रोजेक्ट हेतु कोई एक उत्पाद/सेवा जो विद्यार्थी को उपलब्ध हो, का चुनाव कर सकता है।

निम्न बिंदुओं को ध्यान में रखकर विद्यार्थी अपना प्रोजेक्ट तैयार कर सकता है :–

1. उन्होने यह सेवा/उत्पाद का चयन क्यों किया ?
2. बाजार में उपलब्ध पाँच प्रतिस्पर्धा वाले ब्रांड को ढूंढकर लिखिए।
3. उत्पाद बनाने के लिए अनुमति तथा लाइसेंस हेतु क्या आवश्यक है ?
4. Competitors Unique Selling Proposition (U.S.P.) कौन है ?
5. क्या उत्पाद की कोई range है विस्तार में लिखिए।
6. उत्पाद का नाम क्या है ?
7. उत्पाद की विशेषताओं को सूचीबद्ध करिए।
8. उत्पाद का label बनाइए।
9. उत्पाद का logo बनाइए।
10. उत्पाद की tag line बनाइए।
11. आपके पतिस्पर्धा वाले उत्पादों का विक्रय मूल्य क्या है ?

❖ उपभोक्ता हेतु विक्रय मूल्य।

❖ व्यापारी हेतु विक्रय मूल्य (खुदरा व्यापारी हेतु विक्रय मूल्य)।

❖ थोक विक्रेता हेतु विक्रय मूल्य।

❖ प्रतिशत में प्राफिट मार्जिन क्या होगा ?

(1) निर्माता

(2) थोक विक्रेता

(3) खुदरा/फुटकर विक्रेता

12. आपका उत्पाद पैक कैसे किया जायेगा ?

13. आप वितरण के लिए किस विधा का उपयोग करेंगे ? विधा चयन का कारण कीजिए।

14. गोदाम (Ware housing) से संबंधित निर्णय–कारण सहित।

15. What is going to be your selling price.

(i) उपभोक्ता को ।

(ii) खुदरा/फुटकर विक्रेता को।

(iii) थोक विक्रेता को।

16. उत्पादन प्रचार के पाँच तरीके।

17. कोई स्कीम :–

(i) थोक विक्रेता के लिए ।

(ii) खुदरा/फुटकर विक्रेता के लिए।

(iii) उपभोक्ता के लिए।

18. आपका Unique Selling Proposition (U.S.P.).

19. आपके द्वारा उपयोग किया गया परिवहन का माध्यम और क्यों ?

20. आपके (lable) लेबल के लिए सामाजिक messageका प्रारूप ।

21. उत्पाद के लिए कोई प्रभावी तकनीकी का इस्तेमाल के लिए लागत।

22. उत्पादन के प्रचार योजना के लिए प्रभावी तकनीकी की लागत।

उस अवस्था में विद्यार्थी मिश्र बाजार (marketing)की अवधारणा के महत्व को समझ सकेगा तथा बाजार के चार P" पर उचित निर्णय ले सकेगा।

अर्थात **(ie.)**

1. उत्पाद (Product)

2. स्थान (Place)

3. मूल्य (Price)

4. प्रचार (Promotion)

विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य के आधार पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट में निम्न बिंदु समावेशित होने चाहिए :–

1. उत्पाद का प्रकार/सेवा तथा इनसे जुड़े उपभोक्ता/उद्योग।
2. ब्रांड नाम एवं उत्पाद।
3. उत्पाद का विस्तार।
4. लोगो या पहचान चिन्ह।
5. टेगलाइन।
6. लेबलिंग तथा पैकेजिंग।
7. उत्पाद का मूल्य एवं रखे गये (निर्धारित) मूल्य का आधार।
8. वितरण केचयनित चैनल तथा उनके कारण।
9. परिवहन तथा वेयर हाऊस संबंधी निर्णय, कारण सहित।
10. उपयोग की गई प्रमोशनल तकनीक तथा निश्चित तकनीक चुने जाने का कारण।
11. ग्रेंडिग तथा मानकीकरण।

टीप :– उपरोक्त प्रायोजनाएँ सुझाव स्वरूप है शिक्षक पाठ्यक्रमानुसार, स्थानीय परिवेश की आवश्यकता अनुसार अन्य प्रायोजना का चयन विद्यार्थियों हेतु कर सकता है।

प्रोजेक्ट रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण व जमा

निर्धारित अवधि के अंत में प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर जमा करेगा।

1. प्रोजेक्ट की कुल lenth 25 से 30 पृष्ठ की होगी।
2. प्रोजेक्ट हस्तलिखित होनी चाहिए।
3. प्रोजेक्ट रिपोर्ट एक स्वच्छ फोल्डर में प्रस्तुत की जानी चाहिए।
4. प्रोजेक्ट रिपोर्ट निम्न क्रम में तैयार की जानी चाहिए :–

- कवर पेज में प्रोजेक्ट का शीर्षक, विद्यार्थी की सूचना, शाला एवं सत्र् होना चाहिए
- विषय वस्तु की सूची।
- Acknowledgement तथा प्रस्तावना (संस्था का Acknowledgement भ्रमण स्थल, तथा सहयोगियों की सूची) ।
- भूमिका।
- उचित शीर्षक सहित विषय।
- प्रोजेक्ट के दौरान योजना एवं क्रियाकलाप (if any) यदि कोई होतो ।
- भ्रमण का चिन्हांकन व अवलोकन
- निष्कर्ष व सुझाव।
- फोटोग्राफ्स यदि कोई होतो।
- एपेंडिक्स ।
- शिक्षक का अवलोकन।
- शिक्षक का हस्ताक्षर।
- प्रोजेक्ट दुबारा उपयोग में न लाया जा सके अतः मूल्यांकन उपरांत छिद्रण करना चाहिए।
- मूल्याकंन उपरांत प्रोजेक्ट विद्यार्थी को वापस किया जा सकता है। शाला चाहे तो श्रेष्ठ प्रोजेक्ट को रख सकती है।

..................000.................